

۵

## وَالْمُحْصَنَاتُ مِنَ النِّسَاءِ إِلَّا مَا مَلَكَتْ أَيْمَانُكُمْ ۚ كَتَبَ

और शोहरवाली औरतें, मगर जिन पर तुम्हारे हाथोंने कब्जा-अ-माविकाना कर लिया, विभा

اللَّهُ عَلَيْكُمْ وَأَجَلَ لَكُمْ مَّا وَرَاءَ ذَلِكَ أَنْ تَبْتَغُوا بِأَمْوَالِكُمْ

अल्लाहका तुम पर, और उलाव कर दी गई तुम पर उनके सिवा सारी, कि तलाश करो अपने मालके धन,

فُحْصِنِينَ غَيْرِ مُسْفِحِينَ ۖ فَمَا اسْتَعْتَمَرْتُمْ بِهِ مِنْهُنَّ فَآتُوهُنَّ

कल्ला बसानेके लिये, न कि मस्ती बढानेके लिये. तो जब तुमने उनसे नफ़अ उठाना याहा, तो दे डालो

أُجُورَهُنَّ فَرِيضَةً ۖ وَلَا جُنَاحَ عَلَيْكُمْ فِيمَا تَرْضَيْتُمْ بِهِ مِنْهُنَّ

उनको उनका मुआवज़-अ-मुकरररा. और तुम पर कोई गुनाह नही जिस मिकदार पर तुम सब राजी हो जाओ,

بَعْدَ الْفَرِيضَةِ ۚ إِنَّ اللَّهَ كَانَ عَلِيمًا حَكِيمًا ۝ २४ وَمَنْ لَمْ يَسْتَطِعْ

मडरे मुकररके बा'द. बे-शक अल्लाह दाना डकीम है (२४) और जो सकत न ला सका

مِنْكُمْ طَوْلًا أَنْ يَنْكِحَ الْمُحْصَنَاتِ الْمُؤْمِنَاتِ فَمَنْ مَلَكَتْ

मालकी, कि निकाहमें लाओ आजाद पाक दामन धिमानवावियोंको, तो उनसे जिन पर तुम्हारे हाथोंका

أَيْمَانُكُمْ مِنْ فَتْيَتِكُمُ الْمُؤْمِنَاتِ وَاللَّهُ أَعْلَمُ بِأَيْمَانِكُمْ بَعْضُكُمْ

माविकाना कब्जा हो युका, लौडियां धिमानवावियां. और अल्लाह अख़ी तरह जानता है तुम्हारे धिमानकी, तुम मेंसे

مِنْ بَعْضٍ ۚ فَاتَّكِحُوهُنَّ بِأَذْنِ أَهْلِهِنَّ وَآتُوهُنَّ أُجُورَهُنَّ

अक दूसरेसे है, तो उन लौडियोंसे निकाह कर लो धिजाजतसे उनके माविकोंकी, और दे डालो उनको उनके मडरको

بِالْمَعْرُوفِ فَحْصَنَاتٍ غَيْرِ مُسْفِحَاتٍ وَلَا مُتَّخِذَاتِ أَخْدَانٍ ۚ

डरबे दस्तूर, धिफ़तके किल्लेकी रहनेवावियां, न कि मस्ती बढानेवावियां, और न छुपे यार बनानेवावियां.

فَإِذَا أَحْصَيْتُمْ قَرَانَ أَتَيْنَ بِفَاحِشَةٍ فَعَلَيْهِنَّ نِصْفُ مَا عَلَى

तो जब वोह बस जाअें, फिर अगर कोई बढकारी लाअें, तो उन पर आधी है

الْمُحْصَنَاتِ مِنَ الْعَذَابِ ۚ ذَلِكَ لِمَنْ خَشِيَ الْعَنَتَ مِنْكُمْ ۚ

आजाद औरतोंकी सजासे. यह निकाह उसके लिये है जो तुममें डर गया गुनाहमें पडनेको.

وَأَنْ تَصْبِرُوا خَيْرٌ لَكُمْ وَاللَّهُ غَفُورٌ رَحِيمٌ ۝ २५ يُرِيدُ اللَّهُ

और तुम्हारा सध्र करना बख़ोत अख़ी है तुम्हारे लिये. और अल्लाह बपशनेवाला रहमतवाला है (२५) अल्लाहकी मरजी है

- २५ -

لِيُبَيِّنَ لَكُمْ وَيَهْدِيَكُمْ سُنَنَ الَّذِينَ مِنْ قَبْلِكُمْ وَيَتُوبَ

कि साफ़ साफ़ तुमसे बयान करमा दे और दिभा दे तुमको तरीके तुम्हारे अगलोंके, और तुम्हारी तोबा

عَلَيْكُمْ وَاللَّهُ عَلَيْهِمْ حَكِيمٌ ﴿٣٤﴾ وَاللَّهُ يُرِيدُ أَنْ يَتُوبَ عَلَيْكُمْ

कबूल करमावे. और अल्लाह ईल्मवाला हिकमतवाला है (२६) और अल्लाह यादता है तोबा कबूल करमा लेनेको तुम पर....

وَيُرِيدُ الَّذِينَ يَتَّبِعُونَ الشَّهَوَاتِ أَنْ تَسِيلُوا مَيِّلًا عَظِيمًا ﴿٣٥﴾

और यादते हैं वोह, जो शहवतकी गुलामी करते हैं, कि तुम बड़ी टेढ़ी राह चलो (२७)

يُرِيدُ اللَّهُ أَنْ يُخَفِّفَ عَنْكُمْ وَخُلِقَ الْإِنْسَانُ ضَعِيفًا ﴿٣٦﴾

अल्लाह यादता है कि हल्का कर दे तुमसे, और पैदा किया गया ईन्सान कमजोर (२८)

يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا لَا تَأْكُلُوا أَمْوَالَكُمْ بَيْنَكُمْ بِالْبَاطِلِ إِلَّا

ऐ वोह जो ईमान ला चुके ! न भाओ अपने मालोंको बाहमी नाहक, मगर

أَنْ تَكُونَ تِجَارَةً عَنْ تَرَاضٍ مِنْكُمْ وَلَا تَقْتُلُوا أَنْفُسَكُمْ ۗ

यह छो करोबारी तीर पर तुम सबकी रजामन्दीसे... और न कत्ल करो तुम अपनेकी.

إِنَّ اللَّهَ كَانَ بِكُمْ رَحِيمًا ﴿٣٧﴾ وَمَنْ يَفْعَلْ ذَلِكَ عُدْوَانًا وَظُلْمًا

बेशक अल्लाह तुमको बप्शनेवाला है. (२९) और जो करे यह सरकशी और जुल्मसे,

فَسَوْفَ نُصَلِّيْهِ تَارًا ۗ وَكَانَ ذَلِكَ عَلَى اللَّهِ يَسِيرًا ﴿٣٨﴾

तो हम जल्द पहुँचा देंगे उसको जहन्नम. और यह अल्लाहके लिये आसान है (३०) अगर

تَجْتَنِبُوا كِبَارَ مَا تُنْهَوْنَ عَنْهُ نُكَفِّرْ عَنْكُمْ سَيِّئَاتِكُمْ وَ

बचते रहें तुम कबीरा गुनाहों, जिनसे तुमको रोका गया है, तो भैट देंगे हम तुमसे तुम्हारी दूसरी बुराईयोंको, और

نُدْخِلْكُمْ مَدْخَلًا كَرِيمًا ﴿٣٩﴾ وَلَا تَتَّبِعُوا مَا فَضَّلَ اللَّهُ بِهِ

दाखिल करेंगे तुमको ज़ीर्छूत मडलमें (३१) और तमन्ना न करो उसकी, जिससे बडाई दी अल्लाहने

بَعْضَكُمْ عَلَى بَعْضٍ ۗ لِلرِّجَالِ نَصِيبٌ مِّمَّا كَتَبُوا وَلِلنِّسَاءِ

तुममें अकको दूसरे पर. मर्दके लिये हिस्सा है जो उन्होंने कमाईकी, और औरतके लिये

نَصِيبٌ مِّمَّا كَتَبْنَ ۗ وَسَأَلُوا اللَّهَ مِنْ فَضْلِهِ ۗ إِنَّ اللَّهَ كَانَ

हिस्सा है उससे, जो उन्होंने कमाईकी. और सवाल करो अल्लाहसे उसके करमको. बेशक अल्लाह

بِكُلِّ شَيْءٍ عَلَيْنَا ۳۲) وَلِكُلِّ جَعَلْنَا مَوَالِي مِمَّا تَرَكَ الْوَالِدِينَ

उर मौजूदका ज़ाननेवाला है (उ२) और सबके लिये बना दिया उमने उकदार, जो तरका करें उनके मां बाप

وَالْأَقْرَبُونَ ۖ وَالَّذِينَ عَقَدَتْ أَيْمَانُكُمْ فَاتُوهُمْ نَعِيدِبَهُمْ ۖ

और कराबतमन्द. और वोड जिन्हें तुम्हारे उलिकोंने पाबन्द कर दिया, तो उनको उनका डिस्सा दो.

إِنَّ اللَّهَ كَانَ عَلَىٰ كُلِّ شَيْءٍ شَهِيدًا ۖ ۳۳) الرَّجَالُ قَوْمُونَ

बेशक अल्लाउ उर मौजूदको सामने रबनेवाला है (उ३) मर्द लोग हुकमरान हैं

عَلَىٰ النِّسَاءِ بِمَا فَضَّلَ اللَّهُ بَعْضَهُمْ عَلَىٰ بَعْضٍ ۚ وَبِأَنَّفَقُوا

औरतों पर, यूँकि इजीवत दी अल्लाउने उनमेंसे अेकको दूसरे पर, और यूँ कि भय किया

مِنَ أَمْوَالِهِمْ ۖ فَالصَّالِحَاتُ قَانِتَاتٌ حَافِظَاتٌ لِّلْغَيْبِ بِمَا حَفِظَ

मर्दोंने अपने मालको, पस नेक भीबियां इरमांवरदार हैं पीठ पीछे, निगरानी रबनेवाली हैं जिसको डिङाजतमें ले लिया

اللَّهُ ۗ وَالَّتِي تَخَافُونَ نُشُوزَهُنَّ فَعِظُوهُنَّ وَاهْجُرُوهُنَّ فِي

अल्लाउने. और अेसी कि तुमको भतरा डो जिनकी नावाइकीका, तो उन्हें समजाओ बुजाओ, और उनको बिस्तरोंमें ले तन्डा

النِّصَاجِ وَأَصْرِبُوهُنَّ ۚ فَإِن أَطَعْتُم فَلَ تَبْغُوا عَلَيْهِنَّ

छोड दो, और उन्हें मारो, इर अगर वोड इरमांवरदार डो गइ तुम्हारी, तो न हूंडो उन पर इल्लाम रबने

سَبِيلًا ۚ إِنَّ اللَّهَ كَانَ عَلِيمًا كَبِيرًا ۖ ۳४) وَإِن خِفْتُمْ شِقَاقَ

की राड. बेशक अल्लाउ बडा बुलन्द है (उ४) और अगर तुम्हें अन्देशा हुवा

بَيْنَهُمَا فَابْعَثُوا حَكَمًا مِّنْ أَهْلِهِ وَحَكَمًا مِّنْ أَهْلِهَا ۚ إِنَّ

मियां भीवीके जगडेका, तो भेजो अेक पन्च मर्दवालोंसे, और अेक पन्च औरतवालोंसे. अगर

يُرِيدُ إِصْلَاحًا يُوَفِّقِ اللَّهُ بَيْنَهُمَا ۚ إِنَّ اللَّهَ كَانَ عَلِيمًا

यड दोनों इरादा कर लें सुलड करानेका, तो अल्लाउ तोडकीक देगा उनके दरमियान. बेशक अल्लाउ ज़ाननेवाला भताने

خَيْرًا ۖ ۳۵) وَأَعْبُدُوا اللَّهَ وَلَا تُشْرِكُوا بِهِ شَيْئًا ۚ وَالْوَالِدِينَ

वाला है (उ५) और पूजो अल्लाउको, और न शरीक बनाओ उसका किसीको, और मां बापके साथ

إِحْسَانًا ۚ وَبِذِي الْقُرْبَىٰ وَالْيَتَامَىٰ وَالْمَسْكِينِ وَالْجَارِ ذِي

नेकी और कराबतदारों और यतीमों और मिरकीनों और रिश्तेदार

الْقُرْبَىٰ وَالْجَارِ الْجُنُبِ وَالصَّاحِبِ بِالْجَنبِ وَابْنِ السَّبِيلِ

पड़ोसी और अजनबी पड़ोसी और पड़वूनशीन और मुसाफिर,

وَمَا مَلَكَتْ أَيْمَانُكُمْ إِنَّا اللَّهُ لَا يُحِبُّ مَنْ كَانَ مُخْتَالًا

और जिन पर मालिकाना दस्तरस है. बेशक अल्लाह नहीं पसन्द करमाता, जो डींग हांकनेवाला, शैभी बघारने

فَخُورًا ۝ الَّذِينَ يَبْخُلُونَ وَيَأْمُرُونَ النَّاسَ بِالْبُخْلِ وَ

वाला छो (उ६) जो क-जूसी करें और लोगोंको क-जूसीका हुकम दें, और

يَكْتُمُونَ مَا آتَاهُمُ اللَّهُ مِنْ فَضْلِهِ ۗ وَأَعْتَدْنَا لِلْكَافِرِينَ

छुपाओं जो दे रमा है उन्हें अल्लाहने अपने कज़ूसे. और तैयार कर रमा है हमने काफ़िरोंके लिये

عَذَابًا أَلِيمًا ۝ وَالَّذِينَ يَنْفِقُونَ أَمْوَالَهُمْ رِجَاءَ النَّاسِ وَ

अजाब रुस्वा करनेवाला (उ७) और जो भय करें अपने मालको, लोगोंको दिमानेको और

لَا يُؤْمِنُونَ بِاللَّهِ وَلَا بِالْيَوْمِ الْآخِرِ ۗ وَمَنْ يَكُنِ الشَّيْطَانُ

न माने अल्लाहको, और न पिछले दिनकी, और वोह कि शैतान

لَهُ قَرِينًا فَسَاءَ قَرِينًا ۝ وَمَا ذَا عَلَيْهِمْ لَوْ آمَنُوا بِاللَّهِ وَالْيَوْمِ

जिसका यार हुवा, तो भुरा यार हुवा (उ८) और क्या छो जाता उन पर, अगर मान जाते अल्लाहको और पिछले दिन

الْآخِرِ وَالْآخِرِ وَمَا رَزَقَهُمُ اللَّهُ ۗ وَكَانَ اللَّهُ بِهِمْ عَلِيمًا ۝

को और भय करते जो रोजी दी थी अल्लाहने उन्हें. और अल्लाह उनको जाननेवाला है (उ९)

إِنَّ اللَّهَ لَا يَظْلِمُ مِثْقَالَ ذَرَّةٍ ۗ وَإِنْ تَكَ حَسَنَةً يُّضِعْفَهَا

बेशक अल्लाह नहीं ज़ुल्म करमाता उर्रां लर. और अगर तुमसे अक नेकी छो, तो उसको दूगना कर देता है,

وَيُؤْتِ مِنْ لَدُنْهِ أَجْرًا عَظِيمًا ۝ فَكَيْفَ إِذَا جِئْنَا مِنْ كُلِّ

और देता है अपनी तरफसे बडा अज (४०) तो कैसा डाल डोगा जब कि हम ले आये डर

أُمَّةٍ بِشَهِيدٍ وَجِئْنَا بِكَ عَلَىٰ هَؤُلَاءِ شَهِيدًا ۗ يَوْمَئِذٍ يُؤَدُّ

उम्मतसे गवाड, और बना दिया तुमको उन सब पर गवाड ..(४१).. उस दिन पसन्द करेंगे

الَّذِينَ كَفَرُوا وَعَصُوا الرَّسُولَ لَوْ تُسَوَّىٰ بِهِمُ الْأَرْضُ وَلَا

जिन्होंने कुफ़ किया, और रसूलकी नाफ़रमानीकी, काश बराबर कर दी जाये उन पर जमीन. और न

وَقَفَّيْنَا عَلَىٰ النَّارِ

يَكْتُبُونَ اللَّهُ حَدِيثًا ٧٦ يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا لَا تَقْرُوا الصَّلَاةَ

छुपा सकेंगे अल्लाहसे अक बात (४२) ऐ वोह जो ईमान ला चुके ! पास न कटको नमाजके,

وَأَنْتُمْ سُكْرَى حَتَّى تَعْلَمُوا مَا تَقُولُونَ وَلَا جُنُبًا إِلَّا عَابِرِي

जब तुम नशेमें मस्त हो, यहां तक कि जान सको जो मुंहसे कहे, और न गुस्ल वाजिब होनेकी हालतमें, मगर

سَبِيلٍ حَتَّى تَغْتَسِلُوا ٧٧ وَإِنْ كُنْتُمْ مَرْضَىٰ أَوْ عَلَىٰ سَفَرٍ أَوْ

मुसाफरी करते हूँ, यहां तक कि नहा लो. और अगर तुम हो गये बीमार, या बरसरे सफर, या तुम

جَاءَ أَحَدٌ مِّنْكُمْ مِنَ الْغَايِبِ أَوْ لَسْتُمْ مِنَ النِّسَاءِ فَلَمْ تَجِدُوا

मेंसे कोई आया इस्ति-जेसे, या औरतोंका लम्स किया, फिर न पाया

مَاءً فَتَيَمَّمُوا صَعِيدًا طَيِّبًا فَامْسَحُوا بِوُجُوهِكُمْ وَأَيْدِيكُمْ ٧٨

पानीको, तो तयम्मूम कर लो पाक मिट्टीसे, तो मसह कर लो अपने चेहरोंका, और अपने हाथोंका.

إِنَّ اللَّهَ كَانَ عَفْوًا غَفُورًا ٧٩ أَلَمْ تَرَ إِلَى الَّذِينَ أُوتُوا نَصِيبًا

बेशक अल्लाह मुआफ़ इरमानेवाला बग्शनेवाला है (४३) क्या तुमने उनकी तरफ नजर नकी, जिनको अक हिस्सा

مِّنَ الْكِتَابِ يَشْتُرُونَ الصَّلَاةَ وَيُرِيدُونَ أَنْ تَضِلُّوا

किताबका दिया गया, परीहें गुमराहीको और चाहें कि तुम भी गुम कर दो

السَّبِيلَ ٨٠ وَاللَّهُ أَعْلَمُ بِأَعْدَائِكُمْ ٨١ وَكَفَىٰ بِاللَّهِ وَلِيًّا ٨٢ وَكَفَىٰ

राहको (४४) और अल्लाह भुब जानता है तुम्हारे दुश्मनोंको. और काफ़ी है अल्लाह यावर, और काफ़ी

بِاللَّهِ نَصِيرًا ٨٣ مِنَ الَّذِينَ هَادُوا يُحَرِّفُونَ الْكَلِمَ عَن

है अल्लाह मददगार (४५) भा'ज यद्दी उलटते पलटते हें कलामको, उसके

مَوَاضِعِهِ وَيَقُولُونَ سَمِعْنَا وَعَصَيْنَا وَأَسْمَعُ غَيْرَ مُسْمِعٍ

मकामसे, और केहते हें कि सुना, और माना नहीं, और तुम सुनो, तुम्हारी न सुनी जाये,

وَرَاعِنَا لِيًّا بِالسُّنَنِهِمْ وَطَعْنَا فِي الدِّينِ وَلَوْ أَنَّهُمْ قَالُوا

और राँना, अपनी ज्बानोंको अँक कर, और दीनमें खोट करनेके लिये. और अगर उन्होंने कहा होता

سَمِعْنَا وَأَطَعْنَا وَأَسْمَعُ وَأَنْظُرْنَا لَكَانَ خَيْرًا لَهُمْ وَأَقْوَمًا وَ

कि हमने सुना और माना, और हमारी सुनिये और हमपर नजरे करम कीजिये, तो बेहतर होता उनके लिये, और बलोट हीक.

لَكِنْ لَعَنَهُمُ اللَّهُ بِكُفْرِهِمْ فَلَا يُؤْمِنُونَ إِلَّا قَلِيلًا ﴿۳۹﴾ يَا أَيُّهَا

लेकिन मल्लिन कर दिया उनको अल्लाहने उनके कुफ़री वजहसे, तो मानते ही नहीं मगर कुछ कुछ (४६) ओ वोह

الَّذِينَ آوَوْا الْكِتَابَ آمَنُوا بِمَا نَزَّلْنَا مُصَدِّقًا لِمَا مَعَكُمْ مِنْ

जिनको किताब दी जा चुकी ! मान जाओ जो हमने उतारा तस्दीक करनेवाला उसका, जो तुम्हारे पास है,

قَبْلِ أَنْ تَطْرَسَ وُجُوهُهَا فَتُرَدَّهَا عَلَىٰ أَذْبَارِهَا أَوْ تَلْعَنَهُمْ كَمَا

ईससे पहले कि हम बिगाड दें चेहरोंको, तो उनको पलट दें उनकी पुश्त पर, या मल्लिन कर दें उनको, जिस तरह

لَعَنَّا أَصْحَابَ السَّبْتِ ۚ وَكَانَ أَمْرُ اللَّهِ مَفْعُولًا ﴿۴۰﴾ إِنَّ اللَّهَ لَا

मल्लिन कर दिभाया सप्तवालोंको. और हुकम जुदा हो कर रहता है (४७) बेशक अल्लाह, न

يَغْفِرُ أَنْ يُشْرَكَ بِهِ وَيَغْفِرُ مَا دُونَ ذَلِكَ لِمَنْ يَشَاءُ ۚ وَمَنْ

बप्शेगा उसके साथ कुछ किये जानेको, और बप्श देगा उससे कमको, जिसे चाहे. और जो

يُشْرِكْ بِاللَّهِ فَقَدْ افْتَرَىٰ إِثْمًا عَظِيمًا ﴿۴۱﴾ أَلَمْ تَرَ إِلَى الَّذِينَ

शरीक हलराअे अल्लाहका, तो बेशक उसने बडे गुनाहकी तोहमत ली (४८) क्या तुमने न देभा उनकी तरह

يُزَكُّونَ أَنفُسَهُمْ ۗ بَلِ اللَّهُ يُزَكِّي مَن يَشَاءُ وَلَا يُظْلَمُونَ

जो मुकदस जताअे अपनेको, बल्कि अल्लाह पाकीजा बना देता है जिसको चाहे, और वोह जुल्म न किये जाअे

فَتِيْلًا ﴿۴۲﴾ أَنْظِرْ كَيْفَ يَفْتَرُونَ عَلَى اللَّهِ الْكَذِبَ ۗ وَكَفَىٰ بِهِ

गे धाग भर (४९) देभो, केसा तूफ़ान भरपा करते हैं अल्लाह पर जूटका, और यह काही

إِثْمًا مُّبِينًا ﴿۴۳﴾ أَلَمْ تَرَ إِلَى الَّذِينَ آوَوْا نَصِيبًا مِنَ الْكِتَابِ

भुवा गुनाह है (५०) क्या तुमने न देभा उनकी तरह, जिनको किताबसे अक हिस्सा दिया गया,

يُؤْمِنُونَ بِالْجِبْتِ وَالطَّاغُوتِ وَيَقُولُونَ لِلَّذِينَ كَفَرُوا

वोह मानते हैं भुत और शैतानको, और कहते हैं जिन्होंने कुफ़ किया

هُؤُلَاءِ أَهْدَىٰ مِنَ الَّذِينَ آمَنُوا سَبِيلًا ﴿۴۴﴾ أُولَٰئِكَ الَّذِينَ

वोह राहे रास्त पर हैं, उनसे जो ईमान कबूल कर चुके (५१) वोह हैं जिनको

لَعَنَهُمُ اللَّهُ ۗ وَمَنْ يَلْعَنِ اللَّهُ فَلَنْ تَجِدَ لَهُ نَصِيرًا ﴿۴۵﴾ أَمْ لَمْ

मल्लिन बना दिया अल्लाहने, और जिसको मल्लिन कर दे अल्लाह, तो न पाओगे उसके लिये कोई मददगार (५२) क्या उन्हीका

تَصِيبٌ مِّنَ الْمَلِكِ قَادًا إِلَّا يُؤْتُونَ النَّاسَ نَقِيرًا ۝۵۳

کوئی حدیسا ملک میں ہے ؟ کیر تو اب ن دےوے لوگوںکو کوشہی (۵۳)

أَمْ يَحْسُدُونَ النَّاسَ عَلَىٰ مَا آتَاهُمُ اللَّهُ مِنْ فَضْلِهِ ۗ فَقَدْ

یا حسد کر رہے ہوں لوگوںکی، جو دے رہا ہے انکو اعلیٰانے اپنے فضلسے۔ تو

آتَيْنَا آلَ إِبْرَاهِيمَ الْكِتَابَ وَالْحِكْمَةَ وَآتَيْنَهُمْ مُلْكًا عَظِيمًا ۝۵۴

ہم نے تو ابراہیمکی نسلکو کتاب اور حکمت دی اور انکو بڑا ملک دیا (۵۴)

فَمِنْهُمْ مَّنْ آمَنَ بِهِ وَمِنْهُمْ مَّنْ صَدَّ عَنْهُ ۗ وَكَفَىٰ بِجَهَنَّمَ

تو کوئی تو انکو مان گیا، اور کوئی باڑ رہا۔ اور جہنم کافی ہے

سَعِيرًا ۝۵۵ إِنَّ الَّذِينَ كَفَرُوا بِآيَاتِنَا سَوْفَ نُصَلِّيهِمْ نَارًا كَمَا

دھکتی آغا (۵۵) بے-شک جنہوں نے اہ-کار کر دیا ہماری آیاتوںکا، جلد پھوٹا دےوے ہم انکو جہنم، کی جب

نُصِبَتْ جُلُودُهُمْ بَدَنَهُمْ جُلُودًا غَيْرَ هَالِكَةٍ وَقُوا الْعَذَابَ

پک گیا انکا جسم، تو بدل دیا ہم نے دوسرا جسم، تاکہ جسم اٹاہکی۔

﴿۵۶﴾

إِنَّ اللَّهَ كَانَ عَزِيزًا حَكِيمًا ۝۵۶ وَالَّذِينَ آمَنُوا وَعَمِلُوا الصَّالِحَاتِ

بےشک اعلیٰانے گالیب حکمتوالا ہے (۵۶) اور جو ایمان لائے اور نیک کام کیے،

سَنُدْخِلُهُمْ جَنَّاتٍ تَجْرِي مِنْ تَحْتِهَا الْأَنْهَارُ خَالِدِينَ فِيهَا

انہوں کو بھرت جلد داہیل کرےوے ہم جہنم میں، کی بہتی ہوں جنکے نیچے نہرے، رہےوے اوس میں

أَبَدًا ۗ لَهُمْ فِيهَا أزْوَاجٌ مُّطَهَّرَةٌ وَهُمْ فِيهَا ظِلٌّ ۝۵۷

ہمیشہ ہمیشہ۔ انکی اوس میں پاکیزہ بیہیاں ہوں۔ اور داہیل کرےوے ہم انکو ساہا گستر ساہا میں (۵۷)

إِنَّ اللَّهَ يَأْمُرُكُمْ أَنْ تُؤَدُّوا الْأَمَانَاتِ إِلَىٰ أَهْلِهَا وَإِذْ أَحْكَمْتُمْ

بےشک اعلیٰانے تمہیں دھکم دتا ہے کی امانتوں امانتوالوںکو دے دو۔ اور جب کسلا دیا

بَيْنَ النَّاسِ أَنْ تَحْكُمُوا بِالْعَدْلِ ۗ إِنَّ اللَّهَ نِعِمَّا يَعِظُكُمْ بِهِ ۗ

لوگوں میں، تو کسلا کرو اہ-ساہسے۔ بےشک اعلیٰانے، کسا ہی پوب ہے جسکی اعلیٰانے نسیاہت کرماٹا ہے تمکو۔

إِنَّ اللَّهَ كَانَ سَبِيحًا بَصِيرًا ۝۵۸ يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا أَطِيعُوا

بےشک اعلیٰانے سوننےوالا دہننےوالا ہے (۵۸) اے جو ایمان لائے ! کڈا مانو

اللَّهِ وَأَطِيعُوا الرَّسُولَ وَأُولَى الْأَمْرِ مِنْكُمْ فَإِنْ تَنَازَعْتُمْ

अल्लाहका और कडा मानो रसूलका, और हुकूमतवालोंका तुम मेंसे. फिर अगर जगडेमें पड गये तुम

فِي شَيْءٍ فَرُدُّوهُ إِلَى اللَّهِ وَالرَّسُولِ إِنْ كُنْتُمْ تُؤْمِنُونَ بِاللَّهِ

किसी चीजमें, तो सुपुर्द कर दो उसे अल्लाह व रसूलके, अगर तुम मानते हो अल्लाह

وَالْيَوْمِ الْآخِرِ ذَلِكَ خَيْرٌ وَأَحْسَنُ تَأْوِيلًا ٥٩ أَلَمْ تَرَ إِلَى الَّذِينَ

और पिछले दिनको. यह निहायत भुभ और भुश अ-जाम है (५९) क्या तुमने नहीं देखा कि

يَزْعُمُونَ أَنَّهُمْ آمَنُوا بِمَا أَنْزَلَ إِلَيْكَ وَمَا أَنْزَلَ مِنْ قَبْلِكَ

जो दीग लेते हैं, कि वोड मान चुके जो तुम पर उतारा गया, और जो तुमसे पडले उतारा गया,

يُرِيدُونَ أَنْ يُتَحَاكَمُوا إِلَى الطَّاغُوتِ وَقَدْ أُمِرُوا أَنْ يَكْفُرُوا

याहते हैं कि कैसेला कराओं शैतानसे, डावांकि वोड हुकूम दिये गये थे कि उसको न मानें.

بِهِ وَيُرِيدُ الشَّيْطَانُ أَنْ يُضِلَّهُمْ ضَلَالًا بَعِيدًا ٦٠ وَإِذَا قِيلَ

और शैतान याहता है कि उनको भडका दे दूर (६०) और जब उनको कडा गया

لَهُمْ تَعَالَوْا إِلَى مَا أَنْزَلَ اللَّهُ وَإِلَى الرَّسُولِ رَأَيْتَ الْمُسْلِمِينَ

कि आओ, जिसे अल्लाहने उतारा उसकी और रसूलकी तरफ, तो तुमने देखा मुनाफिक लोगोंको,

يَصُدُّونَ عَنْكَ صُدُودًا ٦١ فَكَيْفَ إِذَا أَصَابَتْهُمْ مُصِيبَةٌ بِمَا

कि रुभ फेरते हैं तुमसे बेरुभीसे (६१) तो कैसे पडे, जब उन पर कोई मुसीबत आ पडे, उनके

قَدَّ مَتَّ أَيْدِيَهُمْ ثُمَّ جَاءُوكَ يُخْلِفُونَ ٦٢ بِاللَّهِ إِنْ أَرَدْنَا إِلَّا

डाथोंके करतूतसे, फिर वोड डाजिर हों तुम्हारे पास कसम भाओं अल्लाहकी, हमारा धरादा सिर्फ

أَحْسَانًا وَتَوْفِيقًا ٦٣ أُولَئِكَ الَّذِينَ يَعْلَمُ اللَّهُ مَا فِي قُلُوبِهِمْ

ओहसान और ठन्तिडाहका था (६२) उन सबको अल्लाह जानता है जो उनके दिलोंमें है.

فَأَعْرَضَ عَنْهُمْ وَعَظُهُمْ وَقُلْ لَهُمْ فِي أَنْفُسِهِمْ قَوْلًا بَلِيغًا ٦٤

तो तुम उनसे आंभ बया लिया करो, और उन्हें समजाते रहो और बोवो उनके दिलोंमें उतर जानेवाली बोवी (६३)

وَمَا أَرْسَلْنَا مِنْ رَسُولٍ إِلَّا لِيُطَاعَ بِإِذْنِ اللَّهِ وَلَوْ أَنَّهُمْ إِذْ

और हमने नहीं भेजा कोई रसूल, मगर ताकि उसके कडे पर यला जाये अल्लाहके हुकूमसे. और अगर वोड जब

ظَلَمُوا أَنْفُسَهُمْ جَاءُوكَ فَاسْتَغْفِرُوا اللَّهَ ۖ وَاسْتَغْفَرَ لَهُمُ

जुल्म कर बैठे अपनी जानों पर यत्ने आये तुम्हारे पास, फिर बप्पिश मांगी अल्लाहकी, और मग़्फ़िरत याही उनके लिये

الرَّسُولُ لَوْ جَدُّ وَاللَّهِ تَوَّابًا رَّحِيمًا ۖ فَلَا وَرَيْكَ لَا يُؤْمِنُونَ

रसूलने, तो पा लिया अल्लाहकी तोबा कबूल इरमानेवाला बप्पिशनेवाला (६४) तो नहीं किया तुम्हारे परवरदिगारकी कसम वोड ईमान नहीं लाये,

حَتَّى يُحْكَمَ لَكُمْ فِيمَا شَجَرَ بَيْنَهُمْ ثُمَّ لَا يَجِدُ وَا فِي أَنْفُسِهِمْ حَرَجًا

यहां तक कि अपना कैसला कुनिन्दा मारने तुमको हर मुआमलेमें, जिसमें उनके दरमियान जगडा हो, फिर न पाये अपने दिलोंमें

مِمَّا قَضَيْتَ ۖ وَيُسَلِّمُوا تَسْلِيمًا ۖ وَلَوْ أَنَّا كَتَبْنَا عَلَيْهِمْ أَنْ

भटक, जो तुमने कैसला कर दिया, और जो जानसे मान लें (६५) और अगर हमने उन पर लिख दिया होता कि

أَقْتُلُوا أَنْفُسَكُمْ أَوْ أَخْرِجُوا مِنْ دِيَارِكُمْ مَا فَعَلُوا إِلَّا قَلِيلٌ

अपनेको कत्ल करो, या अपने घरोंसे निकल जाओ, तो वोड न करते मगर थोडे

مِنْهُمْ ۖ وَلَوْ أَنَّهُمْ فَعَلُوا مَا يُوعَظُونَ بِهِ لَكَانَ خَيْرًا لَّهُمْ وَأَشَدَّ

उन मेंसे, और अगर उन्होंने कर लिया जो उनको नसीहत की जाती है, तो उनके लिये बेहतरी है और ईमान

تَشْيِيرًا ۖ وَإِذْ آلَا تِيْنُهُمْ مِّنْ لَّدُنَّا أَجْرًا عَظِيمًا ۖ وَلَهْدَيْنَاهُمْ

की बडी मजूबूती (६६) और ऐसा हो, तो समज लें कि हमने दे डाला उनको बडा अज (६७) और यला दिया

صِرَاطًا مُّسْتَقِيمًا ۖ وَمَنْ يُطِيعِ اللَّهَ وَالرَّسُولَ فَأُولَٰئِكَ مَعَ

सीधी राह (६८) और जो कडा मान लें अल्लाहकी और रसूलकी, तो वोड लोग उनके

الَّذِينَ أَنْعَمَ اللَّهُ عَلَيْهِمْ مِّنَ النَّبِيِّينَ وَالصِّدِّيقِينَ وَالشُّهَدَاءِ

साथ हैं, ईआम इरमाया अल्लाहने जिन पर, अम्बिया और सिदीकों और शहीदों

وَالصَّالِحِينَ ۗ وَحَسُنَ أُولَٰئِكَ رَفِيقًا ۖ ذَٰلِكَ الْفَضْلُ مِمَّنْ

और नेकोंसे, और वोड अच्छे साथी हैं (६९) यह इज्जले ईलाही है.

اللَّهِ ۗ وَكَفَىٰ بِاللَّهِ عِلْمًا ۖ يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا خُذُوا حِذْرَكُمْ

और अल्लाह काही ईल्मवाला है (७०) ऐ वोड जो ईमान ला चुके ! अपना बचाव बना लो

فَأَنْفِرُوا فِي ثَبَاتٍ أَوْ انْفِرُوا جَمِيعًا ۖ وَإِنَّ مِنْكُمْ لَمَن لَّيَبْطِئُ

फिर निकलो ईकका हुकका, या निकलो ईकडा (७१) और बेशक तुममें वोड है, जो ज़रूर देर लगा देता है,

فَإِنْ أَصَابَتْكُمْ مُصِيبَةٌ قَالِ قَدْ أَعَمَّ اللَّهُ عَلَيْنَا إِذْ لَمْ أَكُنْ

ہیر अगर तुमको मुसीबत पडोंगी, तो बोलने लगा कि ई-आम करमाया अल्लाहने मुज पर, कि में

مَعَهُمْ شَهِيدًا ۷۱ وَلَئِنْ أَصَابَكُمْ فَضْلٌ مِّنَ اللَّهِ لَيَقُولَنَّ

उनके साथ छाजिर न था (७२) और अगर मिला तुमको इजले भुदावन्दी, तो जरूर कडेगा

كَأَنَّ لَمْ تَكُنْ بَيْنَكُمْ وَبَيْنَهُ مَوَدَّةٌ يُلَيِّتُنِي كُنْتُ مَعَهُمْ

ईस तरड कि तुम्हारे और उसके दरमियान कोई दोस्ती नहीं, कि काश में उनके साथ छेता

فَأَنزَلَ نَزْرًا عَظِيمًا ۷۲ فَلْيَقَاتِلْ فِي سَبِيلِ اللَّهِ الَّذِينَ

तो बडी कामियाभी पाता (७३) तो लडें अल्लाहकी राडमें जो

يَشْرُونَ الْحَيَاةَ الدُّنْيَا بِالْآخِرَةِ وَمَنْ يُقَاتِلْ فِي سَبِيلِ

बदल दें दु-यावी जि-दगीको आभिरतसे. और अल्लाहकी राडमें जो लडे,

اللَّهِ فَيُقْتَلْ أَوْ يَغْلِبْ فَسَوْفَ نُؤْتِيهِ أَجْرًا عَظِيمًا ۷۳ وَمَا لَكُمْ

हिर मार डाला जाये, या छत जाये, तो डम जल्ल देंगे उसको अजे अजीम (७४) और तुम्हें क्या

لَا تُقَاتِلُونَ فِي سَبِيلِ اللَّهِ وَالْمُسْتَضْعَفِينَ مِنَ الرِّجَالِ

कि अल्लाहकी राडमें न लडो, और कमजोरोंके लिये, मदी

وَالنِّسَاءِ وَالْوِلْدَانِ الَّذِينَ يَقُولُونَ رَبَّنَا أَخْرِجْنَا مِنْ هَذِهِ

और औरतों और बरथोंमेंसे, जो हुआयें करते हैं कि परवरदिगारा डमें निकाल ले यल ईस

الْقَرْيَةِ الظَّالِمِ أَهْلُهَا وَاجْعَلْ لَنَا مِن لَّدُنكَ وَلِيًّا ۷۴

आभादीसे, जाकिम हैं ईसके रहनेवाले, और बना दे अपने करमसे डमारा कोई यावर, और

اجْعَلْ لَنَا مِن لَّدُنكَ نَصِيرًا ۷۵ الَّذِينَ آمَنُوا يُقَاتِلُونَ فِي

बना दे अपनी अतासे डमारा कोई मददगार (७५) जो ईमान कभूल कर चुके, वोड लडते हैं

سَبِيلِ اللَّهِ وَالَّذِينَ كَفَرُوا يُقَاتِلُونَ فِي سَبِيلِ الطَّاغُوتِ

राडमें अल्लाहकी. और जिन्होंने ई-कार कर दिया, वोड लडते हैं शैतानकी राडमें,

فَقَاتِلُوا أَوْلِيَاءَ الشَّيْطَانِ إِنَّ كَيْدَ الشَّيْطَانِ كَانَ ضَعِيفًا ۷۶

तो लडो शैतानवालोंसे. बेशक शैतानकी याल कमजोर है (७६)

أَلَمْ تَرَ إِلَى الَّذِينَ قِيلَ لَهُمْ كُفُّوا أَيْدِيَكُمْ وَأَقِيمُوا الصَّلَاةَ

क्या उनकी तरफ नहीं देखा ? जिनसे कहा गया कि अपने हाथ रोको और नमाज काठम करो

وَأَتُوا الزَّكَاةَ فَلَمَّا كُتِبَ عَلَيْهِمُ الْقِتَالُ إِذَا فَرِيقٌ مِنْهُمْ

और जकात दो, फिर जब लाजिम किया गया उन पर किताब, उस वक्त उनकी अेक टोली हे

يَخْشَوْنَ النَّاسَ كَخَشْيَةِ اللَّهِ أَوْ أَشَدَّ خَشْيَةً وَقَالُوا رَبَّنَا

जो लोगोंसे डरती हे, जैसे अल्लाहसे डरे, बल्कि उदसे जियादा डर. और बोले परवरदिगारा,

لِمَ كُتِبَ عَلَيْنَا الْقِتَالُ لَوْلَا أَخَّرْتَنَا إِلَىٰ أَجَلٍ قَرِيبٍ قُلْ

क्यूं जरूरी कर दिया तूने हम पर लडने मरनेको, क्यूं न मोहलत दे दी तूने हमको थोडीसी जिन्दगीकी. तुम

مَتَاعَ الدُّنْيَا قَلِيلٌ وَالْآخِرَةُ خَيْرٌ لِّمَنِ اتَّقَىٰ وَلَا تَظْلُمُونَ

केड दो कि, “दुन्यादारी यन्द रोज हे, और आभिरत भडोत बेडतर हे उसके लिये जो डरा... और न जुल्म किये जाओगे

فَتِيلاً ۗ آيِنَ مَا تَكُونُوا يَدْرِكَكُمُ الْمَوْتُ وَلَوْ كُنْتُمْ فِي بُرُوجٍ

धाग भर.” (७७) जहां कहीं रडो ले वेगी तुमको मौत, गो तुम मजभूत किस्मोंमें

مُشِيدَةً ۗ وَإِن تَصِبْهُمْ حَسَنَةً يَقُولُوا هَذِهِ مِنْ عِنْدِ اللَّهِ ۗ

रडो. और अगर पडोंथी उनको भलाठ, केड हें “यड अल्लाहकी तरफसे हे.”

وَإِن تَصِبْهُمْ سَيِّئَةً يَقُولُوا هَذِهِ مِنْ عِنْدِكَ قُلْ كُلٌّ مِّنْ

और अगर पडोंथी बुराठ, तो कडें कि “यड आपकी तरफसे हे.” केड दो सब

عِنْدِ اللَّهِ قَمَالٌ هَؤُلَاءِ الْقَوْمِ لَا يَكَادُونَ يَفْقَهُونَ حَدِيثًا ۗ

अल्लाहकी तरफसे हे. तो क्या हुवा हे उस कौमको कि भात समजें, उसके करीब नहीं इटकते (७८)

مَا أَصَابَكَ مِنْ حَسَنَةٍ فَمِنَ اللَّهِ وَمَا أَصَابَكَ مِنْ سَيِّئَةٍ

जो तुमको पडोंथी भलाठ तो अल्लाहकी तरफसे हे, और जो पडोंथी बुराठ,

فَمِنَ نَفْسِكَ وَأَرْسَلْنَاكَ لِلنَّاسِ رَسُولًا وَكَفَىٰ بِاللَّهِ شَهِيدًا ۗ

तो यड तेरी शामत हे. और डमने भेजा तुमको डर ठन्सानके लिये रसूल. और अल्लाह काकी गवाड हे (७९)

مَنْ يُطِيعِ الرَّسُولَ فَقَدْ أَطَاعَ اللَّهَ ۗ وَمَنْ تَوَلَّىٰ فَمَا أَرْسَلْنَاكَ

“जिसने कडा किया रसूलका, उसने कडा माना अल्लाहका.” और जिसने बेरुभीकी, तो डमने नहीं भेजा हे तुमको

عَلَيْهِمْ حَفِيظًا ۝ وَيَقُولُونَ طَاعَةٌ فَإِذَا بَرَرُوا مِنْ عِنْدِكَ

उनकी डिफेंडिंग जिम्मेदार (८०) और केड तो देते हैं कि सरे तस्वीम भम है, फिर जब निकल गये तुम्हारे पाससे,

بَيَّتَ طَائِفَةٌ مِنْهُمْ غَيْرَ الَّذِي تَقُولُ ۝ وَاللَّهُ يَكْتُبُ مَا يُبَيِّنُونَ ۝

रात भर करती रही उनकी अेक टोली अपने कहेके भिवाङ्क. और अल्लाह लिख रभता है जो रात भर मन्सूब गांठते हैं.

فَاعْرَضْ عَنْهُمْ وَتَوَكَّلْ عَلَى اللَّهِ ۝ وَكَفَىٰ بِاللَّهِ وَكَيْلًا ۝ ۸۱ ۝

तो उनसे आंभें भया लो, और अल्लाह पर भरोसा रभो. और अल्लाह काफ़ी भरोसा है (८१) क्या

يَتَذَكَّرُونَ ۝ الْقُرْآنُ ۝ وَلَوْ كَانَ مِنْ عِنْدِ غَيْرِ اللَّهِ لَوَجَدُوا فِيهِ

सोचसे काम नहीं लेते कुरआनमें ? अगर यह होता अल्लाहके सिवा किसीकी तरफसे, तो पाते उसमें

اِخْتِلَافًا كَثِيرًا ۝ ۸۲ ۝ وَإِذَا جَاءَهُمْ أَمْرٌ مِنَ الْأَمْنِ أَوْ الْخَوْفِ

भोडतरे इफ्तिलाङ्क (८२) और जब आठ उनके पास कोई बात, अमन या डरकी,

أَذَاعُوا بِهِ ۝ وَلَوْ رَدُّوهُ إِلَى الرَّسُولِ وَإِلَىٰ أُولِي الْأَرْحَامِ مِنْهُمْ

तो यर्था भया दिया उसका, और अगर सुपुर्ह कर देते उसे रसूलके, और अपने भडोंकी तरफ,

لَعَلِمَهُ الَّذِينَ يَسْتَنْبِطُونَهُ مِنْهُمْ ۝ وَلَوْلَا فَضْلُ اللَّهِ عَلَيْكُمْ

तो सारी बात जान जाते जो उनमें छंट लेते हैं डकीकतको, और अगर न होता अल्लाहका इज्जल तुम पर,

وَرَحْمَتُهُ لَاتَّبَعْتُمُ الشَّيْطَانَ إِلَّا قَلِيلًا ۝ ۸۳ ۝ فَقَاتِلْ فِي سَبِيلِ

और उसकी रडमत, तो जरूर पीछे लग जाते तुम शैतानके, मगर थोडे (८३) पस लडो अल्लाहकी राडमें.

اللَّهِ لَا تُكَلِّفُ إِلَّا نَفْسَكَ ۝ وَحَرِّضَ الْمُؤْمِنِينَ عَسَىٰ اللَّهُ

और तुम जिम्मेदार नहीं किये गये मगर अपने, और उभारो अपने माननेवालोंको, करीब है कि अल्लाह

أَنْ يَكْفِيَ بَأْسَ الَّذِينَ كَفَرُوا ۝ وَاللَّهُ أَشَدُّ بَأْسًا وَأَشَدُّ تَنْكِيلًا ۝ ۸۴ ۝

रोक दे जंग काकिरोंकी, और अल्लाह ताकते जंगमें सबसे ज्यादा जोरदार और सबसे भडा है सजा देनेमें (८४)

مَنْ يَشْفَعْ شَفَاعَةً حَسَنًا يَكُنْ لَهُ نَصِيبٌ مِّنْهَا ۝ وَمَنْ يَشْفَعْ

जो सिफारिश करे अच्छी, तो उसका डिस्सा उससे है. और जो सिफारिश करे

شَفَاعَةً سَيِّئَةً يَكُنْ لَكَيْفٍ ۝ فَهِيَ ۝ وَاللَّهُ عَلَىٰ كُلِّ شَيْءٍ

भुरी, उसके लिये उस मेंसे डिस्सा है. और अल्लाह हर चीज पर कुव्वत रभने

فُقَيْبًا ٥٥) وَإِذَا حُيِّتُمْ بِحَيَّةٍ فَيُؤَا بِأَحْسَنِ مِمَّا أُرِدُّوا وَأَنْ أَلَّهَ

वाला है (८५) और जब सलाम किया जाये तुम पर किसी लफ्जसे, तो तुम जवाब दो उससे बेहतर, या उसी को दोहरा दो. बेशक अल्लाह

كَانَ عَلَىٰ كُلِّ شَيْءٍ حَسِيبًا ٥٦) اللَّهُ لَا إِلَهَ إِلَّا هُوَ لِيَجْمَعَنَّكُمْ إِلَىٰ يَوْمِ

हर चीजका हिसाब लेनेवाला है (८६) अल्लाह, कि नहीं कोई पूजनेके काबिल उसके सिवा. जरूर जमा करेगा तुम लोगोंको

الْقِيَامَةِ لَا رَيْبَ فِيهِ وَمَنْ أَصْدَقُ مِنَ اللَّهِ حَدِيثًا ٥٧) قَالَ كُمْ فِي

क्यामतके दिन, जिसमें जरा शक नहीं. और कौन ज़्यादा सच्चा बातका होगा अल्लाहसे (८७) तो तुम्हें क्या डुवा मुनाफिकोंके

الْمُتَّقِينَ فَتَعْتَبِنَ وَاللَّهُ أَرْكَسَهُمْ بِمَا كَسَبُوا أَتُرِيدُونَ أَنْ تَهْدُوا

भारेमें दो पार्ती, डावांकि अल्लाहने औंधा कर दिया उनको उनके करतूतोंके सभल. क्या तुम याहते हो कि राह पर ले आओ

مَنْ أَضَلَّ اللَّهُ وَمَنْ يُضِلِّ اللَّهُ فَلَنْ تَجِدَ لَهُ سَبِيلًا ٥٨) وَذُو لَوْ

जिसको बेराह बता दिया अल्लाहने? और जिसको अल्लाहने बेराह बताया, तो तुम उसके लिये राह न पाओगे (८८) उनकी आरजूहै कि काश

تَكْفُرُونَ كَمَا كَفَرُوا فَتَكُونُونَ سَوَاءً فَلَا تَتَّخِذُوا مِنْهُمْ

तुम भी काफिर हो जाओ, जिस तरह उन्होंने कुफ्र किया, तो तुम लोग बराबर हो जाओ. तो न बनाओ उन मेंसे

أَوْلِيَاءَ حَتَّىٰ يُهَاجِرُوا فِي سَبِيلِ اللَّهِ فَإِنْ تَوَلَّوْا فَخُذُوا

दोस्त, यहाँ तक कि हिजरत करें अल्लाहकी राहमें. फिर अगर इगदानी की, तो गिरफ्तार कर लो उनको,

وَأَقْتُلُوهُمْ حَيْثُ وَجَدْتُمُوهُمْ وَلَا تَتَّخِذُوا مِنْهُمْ وَوَلِيًّا وَلَا

और मार डालो उनको, जहाँ पा लिया उन्हें, और न बनाओ उन मेंसे यार और न

نَصِيرًا ٥٩) إِلَّا الَّذِينَ يَصِلُونَ إِلَىٰ قَوْمِ بَيْنَكُمْ وَبَيْنَهُمْ مِيثَاقٌ

मददगार (८९) मगर जो लगे हैं ऐसी कौमसे कि तुम्हारे और उनके दरमियान कोई मुआहदा है,

أَوْ جَاءَ وَكُمْ حَصْرَتٌ صُدُّوا عَنْكُمْ أَوْ يُقَاتِلُوا

या आये तुम्हारे पास कि सीना तंग हो चुका, कि तुमसे लड़ें या अपनी कौमसे

قَوْمَهُمْ وَلَوْ شَاءَ اللَّهُ لَسَلَّطَهُمْ عَلَيْكُمْ فَلَقَاتِلُوا

लड़ें, और अगर अल्लाह याहता जरूर यद्दा देता उनको तुम पर, फिर वोह जरूर लड़ जाते तुमसे. तो अगर

اعْتَرَلُوكُمْ فَلَمْ يُقَاتِلُوكُمْ وَالْقَوَا إِلَيْكُمْ السَّلَامَ فَمَا جَعَلَ اللَّهُ

वोह तुमसे कनारे हो गये, युना-ये तुमसे न लड़ें और सुलहकी बात डाली, तो नहीं दी अल्लाहने

لَكُمْ عَلَيْهِمْ سَبِيلًا ۝ سَتَجِدُونَ آخِرِينَ يُرِيدُونَ أَنْ

تुम्हें उन पर राह (८०) अब पाओगे कुछ दूसरोंको, चाहते हैं कि

يَأْمَنُواكُمْ وَيَأْمَنُوا قَوْمَهُمْ كُلَّمَا رُذِّقُوا إِلَى الْفِتْنَةِ أُرْكَسُوا

अमनमें रहें तुमसे और अमनमें अपनी क्रोमसे, जब वोह झरे गये झिन्की तरफ, तो ओंधे मुंह गिरे

فِيهَا فَإِنْ لَمْ يَعْزِلُوا عَنْكُمْ وَيُلْقُوا إِلَيْكُمْ السَّلَامَ وَيَكْفُرُوا أَيْدِيَهُمْ

उसमें, तो अगर वोह बाज न रहे तुमसे और सुल्डकी बात न डाली, और न अपना डाय रोका,

فَخُذْهُمْ وَأَقْتُلُوهُمْ حَيْثُ تَقْتُلُوهُمْ ۖ وَأُولَئِكَ جَعَلْنَا

तो पकडो उनको, और मार डालो जहां पा गये उनको. यह लोग हैं कि डमने तुम्हें जिन पर

لَكُمْ عَلَيْهِمْ سُلْطَانًا مُّبِينًا ۖ وَمَا كَانَ لِمُؤْمِنٍ أَنْ يَقتُلَ

पुला हुवा कभू दे दिया (८१) और नहीं किसी मो'मिनके लिये कि मार डाले

مُؤْمِنًا إِلَّا خَطَا ۖ وَمَنْ قَتَلَ مُؤْمِنًا خَطَا فَتَحْرِيرُ رَقَبَةٍ مُؤْمِنَةٍ

किसी मो'मिनको, मगर गलतीसे. और जिसने मार डाला किसी मो'मिनको गलतीसे, तो अब अक मुसल्मान गुलामका आजाद करना है.

وَرِدِيَّةٌ مُسَلَّمَةٌ إِلَىٰ أَهْلِهَا إِلَّا أَنْ يَصَدَّقُوا فَإِنْ كَانَ مِنْ

और भूं भडा है जो डवाला किया जाये मकतूलके लोगोंको, मगर यह कि वोह बप्श हें. फिर अगर मकतूल

قَوْمٍ عَدُوِّكُمْ وَهُوَ مُؤْمِنٌ فَتَحْرِيرُ رَقَبَةٍ مُؤْمِنَةٍ ۚ وَإِنْ

उस क्रोमसे है जो तुम्हारी दुश्मन है और भुद वोह मो'मिन है, तो आजाद करना है अक मुसल्मान गुलामको. और अगर

كَانَ مِنْ قَوْمٍ بَيْنَكُمْ وَبَيْنَهُمْ مِيثَاقٌ فَدِيَةٌ مُسَلَّمَةٌ إِلَىٰ

वोह ऐसी क्रोमसे है, कि तुममें और उसमें कोठ मुआडदा है, तो भूं भडा है जो मकतूलवालोंके

أَهْلِهِ وَتَحْرِيرُ رَقَبَةٍ مُؤْمِنَةٍ ۚ فَمَنْ لَمْ يَجِدْ فَصِيَامُ شَهْرَيْنِ

सुपुर्दकी जाये, और अक मुसल्मान गुलामका आजाद करना है. तो जिसने न पाया, तो दो महीनेका

مُتَتَابِعَيْنِ تَوْبَةً مِّنَ اللَّهِ ۖ وَكَانَ اللَّهُ عَلِيمًا حَكِيمًا ۝ ۹۱

लगातार रोजा रचना है. यह तरीकअे तौबा अल्लाडकी तरफसे है. और अल्लाड ठल्मवाला डिकमतवाला है (८२) और

مَنْ يَقتُلْ مُؤْمِنًا مُتَعَبِدًا فَجَزَاؤُهُ جَهَنَّمُ خَالِدًا فِيهَا ۚ

जिसने कत्ल किया किसी मो'मिनको दीदड व दानिस्ता, तो उसका भदवा जड-नमहै. उसमें पडा रहे डम्भी मुदत तक, और

غَضِبَ اللَّهُ عَلَيْهِ وَلَعَنَهُ وَأَعَدَّ لَهُ عَذَابًا عَظِيمًا ﴿٩٤﴾ يَا أَيُّهَا

उस पर अल्लाह का गजब हुआ, और अल्लाह ने वा'नत इरमाह उस पर, और मुहय्या कर रभा है उसके लिये बडा अजाब (९३) औ

الَّذِينَ آمَنُوا إِذَا ضَرَبْتُمْ فِي سَبِيلِ اللَّهِ فَتَبَيَّنُوا وَلَا تَقُولُوا

वोह जो ईमान ला चुके! जब तुम मार काटको निकले अल्लाहकी राहमें, तो तहकीकका सिस्सिवा जारी रभो, और मत केह दिया करो

لِمَنْ أَلْقَى إِلَيْكُمُ السَّلَامَ لَسْتَ مُؤْمِنًا تَبْتَغُونَ عَرَضَ الْحَيَاةِ

उसको, जिसने तुम्हें सलाम किया, कि तू मो'मिन नहीं है. तुम चाहते हो दुन्यावी जिन्दगी

الدُّنْيَا فَعِنْدَ اللَّهِ مَغَانِمٌ كَثِيرَةٌ ۖ كَذَلِكَ كُنْتُمْ مِنْ قَبْلُ

की पूंछ, तो अल्लाहके पास बहोतसी गनीमतें हैं. जैसे ही तो तुम भुद ही पडले थे,

فَمَنْ اللَّهُ عَلَيْكُمْ فَتَبَيَّنُوا ۗ إِنَّ اللَّهَ كَانَ بِمَا تَعْمَلُونَ خَبِيرًا ﴿٩٥﴾

इर अेडसान इरमाया अल्लाहने तुम पर, तो तहकीक जरर करते रधो. भेशक अल्लाह जो तुम करो पभरदार है (९४)

لَا يَسْتَوِي الْقُعُودُونَ مِنَ الْمُؤْمِنِينَ غَيْرُ أُولِي الضَّرَرِ وَ

और भराभर नहीं हैं वोह मुसल्मान, जो घर बैठे रडे बिवा उजर, और

الْمُجَاهِدُونَ فِي سَبِيلِ اللَّهِ بِأَمْوَالِهِمْ وَأَنْفُسِهِمْ فَضَّلَ

वोह जो जिहाद करते रडे अल्लाहकी राहमें अपने जानो मालसे. इजीवत भग्श दी

اللَّهُ الْمُجَاهِدِينَ بِأَمْوَالِهِمْ وَأَنْفُسِهِمْ عَلَى الْقُعُودِينَ دَرَجَةً ۗ

अल्लाहने जानो मालसे जिहाद करनेवालोंको, न जान सकनेवालों पर, भडे दरजेकी.

وَكُلًّا وَعَدَّ اللَّهُ الْحُسْنَىٰ ۗ وَفَضَّلَ اللَّهُ الْمُجَاهِدِينَ عَلَى

और सभके लिये वा'दा इरमा लिया अल्लाहने हुस्ने अ-जामका, और बडाई दी अल्लाहने मुज्राहिदीनको,

الْقُعُودِينَ أَجْرًا عَظِيمًا ۖ دَرَجَاتٍ مِّنْهُ وَمَغْفِرَةً وَرَحْمَةً ۗ

न जा सकनेवालों पर, भडे अजकी (९५) अल्लाहकी तरइसे मुतअदद दरजे और भग्शिश और रडमत.

وَكَانَ اللَّهُ غَفُورًا رَّحِيمًا ۗ إِنَّ الَّذِينَ تَوَفَّيْتُمُ الْمَلَائِكَةَ

और अल्लाह भग्शनेवाला रडमतवाला है (९६) भेशक जिनकी जिन्दगी पूरी कर दी इरिशतोंने,

ظَالِمِي أَنْفُسِهِمْ قَالُوا فِيمَ كُنْتُمْ قَالُوا كُنَّا مُسْتَضْعَفِينَ

जबकि वोह अपने नइस पर जालिम थे, बोले, कि 'तुम किस डालमें थे,' जवाब दिया, कि 'हम जमीनमें कमजोर थे,'

فِي الْأَرْضِ قَالُوا لَمْ تَكُنْ أَرْضَ اللَّهِ وَاسِعَةً فَتُهَاجِرُوا فِيهَا

वोड बोले कि 'क्या अल्लाहकी जमीन वसीअ न थी ? कि उसमें तुम छिजरत कर जाते.'

فَأُولَئِكَ مَا لَهُمْ جَهَنَّمُ وَسَاءَتْ مَصِيرًا ۙ إِلَّا الْمُسْتَضْعَفِينَ

तो वोडी हें जिनका ठिकाना जडनम हे. और बुरी पलटनेकी जगड हे (९७) मगर जो दबेलेये

مِنَ الرِّجَالِ وَالنِّسَاءِ وَالْوِلْدَانِ لَا يَسْتَطِيعُونَ حِيلَةً وَلَا

मर्द व औरत और बच्चे हें, कि न बडाना कर सकें और न

يَهْتَدُونَ سَبِيلًا ۙ فَأُولَئِكَ عَسَى اللَّهُ أَنْ يَعْفُو عَنْهُمْ ۗ وَ

कोई राड पाओ (९८) तो वोड हें कि अनकरीब मुआफ कर दे अल्लाह उनसे. और

كَانَ اللَّهُ عَفُوًّا غَفُورًا ۙ وَمَنْ يُهَاجِرْ فِي سَبِيلِ اللَّهِ يَجِدْ

अल्लाह मुआफ करनेवाला बप्शनेवाला हे (९९) और जो छिजरत कर जाओ अल्लाहकी राडमें, पावे

فِي الْأَرْضِ مَرْغَبًا كَثِيرًا وَسَعَةً ۗ وَمَنْ يُخْرِجْ مِنْ بَيْتِهِ مَهَاجِرًا

जमीनमें बडी जगड और गुनगुन. और जो निकले अपने घरसे छिजरत करता हुवा,

إِلَى اللَّهِ وَرَسُولِهِ ثُمَّ يُدْرِكْهُ الْمَوْتُ فَقَدْ وَقَعَ أَجْرُهُ عَلَى اللَّهِ

अल्लाह और उसके रसूलकी तरफ, फिर पावे उसको मौत, तो उसका अज्र हो गया अल्लाहके करम पर.

وَكَانَ اللَّهُ غَفُورًا رَحِيمًا ۙ وَإِذَا ضَرَبْتُمْ فِي الْأَرْضِ فَلَيْسَ

और अल्लाह बप्शनेवाला रहमतवाला हे (१००) और जब तुम चल पडे जमीनमें तो उसमें

عَلَيْكُمْ جُنَاحٌ أَنْ تَقْصُرُوا مِنَ الصَّلَاةِ ۚ إِنَّ خِفَتُمْ أَنْ يُفْتِنَكُمْ

तुम्हारी कोई गलती नही, कि कसर कर दो नमाजमें, अगर तुमको भौंक हो कि शरारत करेंगे

الَّذِينَ كَفَرُوا ۗ إِنَّ الْكُفْرَيْنَ كَانُوا لَكُمْ عَدُوًّا مُبِينًا ۙ وَإِذَا كُنْتُمْ

तुमसे जो काफिर हो गये. बिना शुभद काफिर लोग तुम्हारे भुले दुश्मन हें (१०१) और जब तुम अपनों

فِيهِمْ فَأَقَمْتَ لَهُمُ الصَّلَاةَ فَلْتَقُمْ طَائِفَةٌ مِنْكُمْ مَعَكَ وَلْيَأْخُذُوا

में हो, फिर भडी कर दी हो उनके लिये नमाज, तो एक जमाअत उनकी भडी हो तुम्हारे साथ और लिये रहे

أَسْبَاحَتَهُمْ ۚ فَإِذَا سَجَدُوا فَلْيَكُونُوا مِنْ وَرَائِكُمْ وَلْتَأْتِ طَائِفَةٌ

अपने हथियार.. तो जब सजदा कर चुके तो तुम्हारे उकबमें हो जाओ, और दूसरी जमाअत आओ

أُخْرَى لَمْ يُصَلُّوا فَلْيُصَلُّوا مَعَكَ وَلْيَأْخُذُوا حِذْرَهُمْ وَأَسْلِحَتَهُمْ

जिसने नमाजकी निश्चयत नहीकी, तो नमाज अदा करें तुम्हारे साथ, और लिये रहें अपने बचाव और अपने हथियारोंको.

وَالَّذِينَ كَفَرُوا وَالَّذِينَ تَغْفُلُونَ عَنْ أَسْلِحَتِكُمْ وَأَمْتِعَتِكُمْ فَيَمِيلُونَ

आरजूमन्द् हैं जिन्होंने कुछ किया कि अगर गफलत भरतो अपने हथियारों और सामानसे, तो धावा भोल दें

عَلَيْكُمْ مَّيْلَةً وَاحِدَةً ۗ وَلَا جُنَاحَ عَلَيْكُمْ إِنْ كَانَ بِكُمْ أذى

तुम पर यकभारगी. और तुम पर कोठ गुनाह नही कि अगर तुमको तकलीफ हो

مِنْ مَطَرٍ أَوْ كُنْتُمْ مَرَضَىٰ أَنْ تَضَعُوا أَسْلِحَتَكُمْ وَخُذُوا حِذْرَكُمْ

बारिशसे या भीमार हो गओ, कि रभ हो अपने हथियार और बनाओ रभो अपना बचाव.

إِنَّ اللَّهَ أَعَدَّ لِلْكَافِرِينَ عَذَابًا مُّهِينًا ۝۱۳ قَاذَا قَضَيْتُمُ الصَّلَاةَ

बेशक अल्लाहने तैयार कर रभा है काफ़िरोके लिये अजाब रुस्वाएवाला (१०२) फिर जब नमाज तुम पूरी कर चुके

قَاذِكُرُوا اللَّهَ قِيَامًا وَقُعُودًا ۗ وَعَلَىٰ جُنُوبِكُمْ ۗ قَاذَا اطْمَأَنَّتُمْ

तो जिक करो अल्लाहका, भडे और बैठे, और कवरट लेते. फिर जब मुन्मठन हो जाओ

فَأَقِمْو الصَّلَاةَ ۗ إِنَّ الصَّلَاةَ كَانَتْ عَلَى الْمُؤْمِنِينَ كِتَابًا

तो नमाज काठम रभो, बेशक नमाज एमानवालों पर कर्ज है, वक्तकी पाबन्दी

مَوْقُوتًا ۝۱۴ وَلَا تَهِنُوا فِي ابْتِغَاءِ الْقَوْمِ ۗ إِنْ تَكُونُوا تَأْلَمُونَ فَأَلَمُّ

से (१०३) और मुभाविक कौमकी तलाशमें सुस्ती न करो. अगर तुमको दुभ होता है, तो वोड भी

يَأْلَمُونَ كَمَا تَأْلَمُونَ ۗ وَتَرْجُونَ مِنَ اللَّهِ مَا لَا يَرْجُونَ ۗ وَكَانَ

दुभ पाते हैं जैसे तुमको दुभ होता है. और तुम उम्मीद रभते हो अल्लाहसे, जो नही उम्मीद रभते वोड. और

اللَّهُ عَلَيْهِمْ حَكِيمًا ۝۱۵ إِنَّا أَنْزَلْنَا إِلَيْكَ الْكِتَابَ بِالْحَقِّ لِتَحْكُمَ

अल्लाह एल्मवाला हिकमतवाला है (१०४) बेशक हमने उतारी तुम पर हीक किताब, ताकि डैसला करो

بَيْنَ النَّاسِ بِمَا أَرَبِكَ اللَّهُ ۗ وَلَا تَكُنْ لِلْخَائِبِينَ خَصِيمًا ۝۱۶

तुम लोगोंका जैसा अल्लाह तुम्हें दिभाओ. और फरेबियोंके लिये तरफदार न बनो (१०५)

وَأَسْتَغْفِرِ اللَّهُ ۗ إِنَّ اللَّهَ كَانَ غَفُورًا رَحِيمًا ۝۱۷ وَلَا يُجَادِلُ عَنِ

और अल्लाहसे एस्तिग्फार करो. बेशक अल्लाह बप्शनेवाला रहमतवाला है (१०६) और उनकी जंभादारीमें न जगओ



وَالْمُتَّكِفِ

اللَّهُ عَلَيْكَ عَظِيمًا ﴿١١٧﴾ لَا خَيْرَ فِي كَثِيرٍ مِّنْ نُّجُوهُمْ إِلَّا مَنَ أَمَرَ

तुम पर बख़्त भडा हे (११७) कोठे शरूदा नही उनकी कठे सरगोशियोंमें, मगर जिसने हुकम दिया

بِصَدَاقَةٍ أَوْ مَعْرُوفٍ أَوْ إِصْلَاحٍ بَيْنَ النَّاسِ وَمَن يَفْعَلْ

सदकेका, या किसी नेकीका, या लोगोंमें सुल्ह करानेका. और जो ऐसा करे

ذَلِكَ ابْتِغَاءَ مَرْضَاتِ اللَّهِ فَسَوْفَ نُؤْتِيهِ أَجْرًا عَظِيمًا ﴿١١٨﴾ وَمَن

अल्लाहकी रिजामन्दीकी तलबमें, तो जल्द हम देंगे उसको भडा अज (११४) और जो

يُشَاقِقِ الرَّسُولَ مِن بَعْدِ مَا تَبَيَّنَ لَهُ الْهُدَىٰ وَيَتَّبِعْ غَيْرَ

मुभाविकत करे रसूलकी उसके बाद, कि उस पर ठीक राह रौशन हो चुकी, और चल पड़े रवाज

سَبِيلِ الْمُؤْمِنِينَ نُوَلِّهِ مَا تَوَلَّىٰ وَنُصَلِّهِ جَهَنَّمَ وَسَاءَتْ

दस्तूर अहले ईमानके भिलाफ, तो हम रहने देंगे जैसे रहे, और डाल देंगे उसको जहन्नममें, और वोह पलटावकी

وَالْمُتَّكِفِ

مَصِيرًا ﴿١١٩﴾ إِنَّ اللَّهَ لَا يَغْفِرُ أَنْ يُشْرَكَ بِهِ وَيَغْفِرُ مَا دُونَ

बुरी जगह हे (११५) बेशक अल्लाह नहीं बपशता, कि उसके साथ कुड़ किया जाये, और बपश हे उससे नीचे

ذَلِكَ لِمَنْ يَشَاءُ وَمَنْ يُشْرِكْ بِاللَّهِ فَقَدْ ضَلَّ ضَلَالًا بَعِيدًا ﴿١٢٠﴾

जुर्मको जिसे चाहे. और जो अल्लाहका शरीक ठहराये, तो वोह दूरकी गुमराहीमें पडा (११६)

إِنْ يَدْعُونَ مِن دُونِهِ إِلَّا إِنثَاءً وَإِنْ يَدْعُونَ إِلَّا شَيْطَانًا

नहीं पूजते अल्लाहको छोडकर, मगर जनाना नामवालोंको, और नहीं पूजते मगर सरकश शैतानको,

وَالْمُتَّكِفِ

مَرِيدًا ﴿١٢١﴾ لَعَنَهُ اللَّهُ وَقَالَ لَا يُخِذَنَّ مِنَ عِبَادِكُمْ نَصِيبًا

(११७) अल्लाहकी मार हो उस पर... और वोह बोल चुका हे कि में ज़र लेके रहूंगा तेरे बन्दोंसे अपना

مَفْرُوضًا ﴿١٢٢﴾ وَلَا ضَلَّةَ لَهُمْ وَلَا مَنِيَّةَ لَهُمْ وَلَا مَرْتَبَهُمْ فَلْيَبْتَئِكُنَّ

मुकररा हिस्सा (११८) और उन्हें ज़र गुमराह कड़ंगा और राहे हवस पर उन्हें लगावंगा और ज़र उन्हें हुकम दूंगा, तो

أَذَانَ الْأَنْعَامِ وَلَا مَرْتَبَهُمْ فَلْيَغْيِرَنَّ خَلْقَ اللَّهِ وَمَنْ يَتَّخِذِ

वोह चीरेंगे योपायोंके कान, और में उन्हें हुकम दूंगा तो वोह बदल देंगे अल्लाहकी बनाई सूरतकी. और जो बना ले

الشَّيْطَانَ وَلِيًّا مِّن دُونِ اللَّهِ فَقَدْ خَسِرَ خُسْرًا نَّكَارًا ﴿١٢٣﴾

शैतानको यार अल्लाहकी छोड कर, तो बेशक वोह पड गया भुले घाटेमें (११८)

يَعِدُّهُمْ وَيَبْرِيَّهُمْ ۖ وَمَا يَعِدُهُمُ الشَّيْطَانُ إِلَّا غُرُورًا ۗ أُولَٰئِكَ

उन्हें वा'दे दे और उम्मीदें दिलावे, डावांकि शैतान नहीं वा'दे देता, मगर धोकेका (१२०) वोड

مَا أُوْمَهُمْ جَهَنَّمَ ۖ وَلَا يَجِدُونَ عَنْهَا مَحِيصًا ۗ وَالَّذِينَ آمَنُوا وَ

हैं जिनका डिकाना जहन्नम है, और न पाअंगे उससे रिहाई (१२१) और जो ईमान ला युके और

عَمِلُوا الصَّالِحَاتِ سَنَدًا خَلَهُمْ جَلَّتْ تَجْرِي مِنْ تَحْتِهَا الْأَنْهَارُ

किये अच्छे काम, जल्द उम दाबिल करेगे उन्हें जन्नतमें, डि बेहती हैं जिनके नीचे नहरें,

خُلْدِيْنَ فِيهَا أَبَدًا وَعَدَّ اللَّهُ حَقًّا وَمَنْ أَصْدَقُ مِنَ اللَّهِ

उसमें रहेंगे हमेशा हमेश. अल्लाहका वा'दा बिल्कुल ठीक. और कौन बोलीका अल्लाहसे ज़्यादा सच्चा

قِيْلًا ۗ لَيْسَ بِأَمَانِيكُمْ وَلَا أَمَانِي أَهْلِ الْكِتَابِ مَنْ يَعْمَلْ

है (१२२) न तुम्हारे भयावात और न अडले किताबके अवलाम, जो भुराई करे

سُوْءًا يُجْزِيهِ ۖ وَلَا يَجِدُ لَهُ مِنْ دُونِ اللَّهِ وَلِيًّا وَلَا نَصِيْرًا ۗ

उसका बहवा लिया जावेगा, और वोड न पावेगा अपने लिये मुकीद, जिनको अल्लाहको छोड कर यावरो मददगार करार दे रहा है (१२३)

وَمَنْ يَعْمَلْ مِنَ الصَّالِحَاتِ مِنْ ذَكَرٍ أَوْ أَنْتَىٰ وَهُوَ مُؤْمِنٌ

और जो नेकियोंका काम करे, मर्द हो या औरत, दरआं डाकियाकि वोड सादिबे ईमान है,

فَأُولَٰئِكَ يَدْخُلُونَ الْجَنَّةَ وَلَا يُظْلَمُونَ نَقِيْرًا ۗ وَمَنْ أَحْسَنُ

तो वोड दाबिल होंगे जन्नतमें, और न जुल्म किये जाअंगे कुछ भी (१२४) और उससे अच्छा

دِيْنًا مِّنْ أَسْمَٰ وَجْهَهُ لِلَّهِ وَهُوَ مُحْسِنٌ ۖ وَاتَّبَعَ مَلَكًا رَّحِيْمًا

किसका दीन, जिसने जुका दिया अपनेको अल्लाहके लिये, और वोड मुब्बिस है, और यल पडा मिल्वते ईब्राहीम पर

حَنِيفًا ۖ وَاتَّخَذَ اللَّهُ إِبْرَاهِيْمَ خَلِيْلًا ۗ وَاللَّهُ مَا فِي السَّمٰوٰتِ

अलग थलग बातिलोंसे. और बना लिया अल्लाहने ईब्राहीमको पास दोस्त (१२५) और अल्लाह डीका है जो कुछ आरमानोंमें

وَمَا فِي الْأَرْضِ ۖ وَكَانَ اللَّهُ بِكُلِّ شَيْءٍ مُّحِيْطًا ۗ وَيَسْتَفْتُونَكَ

और जो कुछ जमीनमें है. और अल्लाह डर अकको घेरेमें लिये है (१२६) और दरयाकृत करते हैं तुमसे

فِي النَّسَاءِ ۗ قُلْ اللَّهُ يُفْتِيكُمْ فِيهِنَّ وَمَا يُتْلَىٰ عَلَيْكُمْ فِي

औरतोंके बारेमें, केड हो कि अल्लाह भुद बताता है तुमको उनके बारेमें, और जो तिलावत किया जाता है तुम पर





فَقَدْ ضَلَّ ضَلًّا بَعِيدًا ۱۳۸ إِنَّ الَّذِينَ آمَنُوا ثُمَّ كَفَرُوا ثُمَّ

तो बेशक वोड अडक गया अडोत दूर (१३६) बेशक जो ईमान लाअे, फिर ईकार कर दिया, फिर

آمَنُوا ثُمَّ كَفَرُوا ثُمَّ أَرَادُوا كُفْرًا أَلَمْ يَكُنِ اللَّهُ لِيُغْفِرْ لَهُمْ وَلَا

मान गअे, फिर ईकार कर दिया, फिर ईकारमें अड गअे, अल्लाह बाश्ने उन्हे और न

لِيَهْدِيَهُمْ سَبِيلًا ۱۳۹ بِئْسَ السُّفْقِينِ بِأَنَّ لَهُمْ عَدَا بَا أَلَيْسَ ۱۳۸

राड पर लावे उन्हे (१३७) और मुंड पर केड दो मुनाझिकोंके, कि उनके लिये दुभ देनेवाला अजाब हे (१३८)

الَّذِينَ يَتَّخِذُونَ الْكُفْرِينَ أَوْلِيَاءَ مِنْ دُونِ الْمُؤْمِنِينَ ۱

जो बनाअें काझिरोको दोस्त ईमानवालोंको छोड कर

أَيْتَعُونَ عِنْدَهُمُ الْعِزَّةَ فَإِنَّ الْعِزَّةَ لِلَّهِ جَمِيعًا ۱۳۹ وَقَدْ

क्या खाडते हैं उनके पास ईज्जत ? तो बेशक ईज्जत अल्लाहके लिये हे सारी (१३८) और बेशक

نَزَّلَ عَلَيْكُمْ فِي الْكِتَابِ أَنْ إِذَا سَمِعْتُمْ آيَاتِ اللَّهِ يُكْفَرُ بِهَا

उतारा तुम पर किताबमें, कि जब सुना अल्लाहकी आयतोंको कि उसका ईकार किया जाता हे

وَيُسْتَهْزَأُ بِهَا فَلَا تَقْعُدُوا مَعَهُمْ حَتَّى يَخُوضُوا فِي حَدِيثٍ

और मजाक किया जाता हे उससे, तो मत बैठो उन लोगोंके साथ. यहां तक कि लग जाअें दूसरी

غَيْرَةٍ ۱۴۰ إِنَّكُمْ إِذَا امْتَلَأْتُمْ مِنَ اللَّهِ جَامِعُ السُّفْقِينِ وَالْكَافِرِينَ

भातमें, वरना तुम भी उन्हींकी तरड हो. बेशक अल्लाह अेक जगड लाअेगा सारे मुनाझिकोंको और काझिरोको

فِي جَهَنَّمَ جَمِيعًا ۱۴۱ الَّذِينَ يَتَرَبَّصُونَ بِكُمْ فَإِنْ كَانَ لَكُمْ

जडनममें (१४०) जो ताका करते हैं तुमको, तो अगर तुम्हारी इत्ड डूई

فَتَرَوْسَنِ اللَّهِ قَالُوا أَلَمْ تَكُنْ مَعَكُمْ ۱۴۱ وَإِنْ كَانَ لِلْكَافِرِينَ

अल्लाहकी तरडसे, बोले कि क्या डम तुम्हारे साथ न थे, और अगर काझिरोका

نَصِيبٌ قَالُوا أَلَمْ نَسْتَحِذْ عَلَيْكُمْ وَنَنْتَعِمُ مِنَ الْمُؤْمِنِينَ ۱

डिस्सा डुवा, तो बोले वहां कि क्या डम जोर न रभते थे तुम पर, और क्या डमने बयाया नही तुमको मुसलमानोंसे.

قَالَ اللَّهُ يَحْكُمُ بَيْنَكُمْ يَوْمَ الْقِيَامَةِ وَلَنْ يَجْعَلَ اللَّهُ لِلْكَافِرِينَ

तो अल्लाह ईसला इरमा देगा तुम सबका, क्यामतके दिन. और न देगा अल्लाह काझिरोको

عَلَى الْمُؤْمِنِينَ سَبِيلًا ۝۱۳۱۱ إِنَّ الْمُنْفِقِينَ يُخَادِعُونَ اللَّهَ وَ

मुसल्मानों पर कोई राह (१४१) बेशक ! मुनाफ़िक धोका देना चाहते हैं अल्लाहको, और वोह

هُوَ خَادِعُهُمْ وَإِذَا قَامُوا إِلَى الصَّلَاةِ قَامُوا كَسَالَىٰ يُرَاءُونَ

धोकेका बहला देनेवाला है. और जब नमाज़को पढ़े दूँ, तो पढ़े दूँ थके डारे, दिखलाते हैं

النَّاسَ وَلَا يَذْكُرُونَ اللَّهَ إِلَّا قَلِيلًا ۝۱۳۱۲ مَذْبُذِبِينَ بَيْنَ ذَلِكَ

लोगोंको और नहीं जिक करते अल्लाहका, मगर थोडा (१४२) उगमग उगमग बीचमें,

لَا إِلَىٰ هَؤُلَاءِ وَلَا إِلَىٰ هَؤُلَاءِ ۖ وَمَنْ يُضِلِلِ اللَّهُ فَدَنْ تَجِدْكَ

न एधर न उधर. और जिसकी गुमराही अल्लाह दिभा दे, तो उसके विये कोई राह न

سَبِيلًا ۝۱۳۱۳ يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا لَا تَتَّخِذُوا الْكُفْرِينَ أَوْلِيَاءَ

पाओगे (१४३) औ वोह जो ईमान ले आओ ! न बनाओ काफ़िरोंको दोस्त,

مَنْ دُونِ الْمُؤْمِنِينَ أَتُرِيدُونَ أَنْ تَجْعَلُوا لِلَّهِ عَلَيْكُمْ

मुसल्मानोंको छोड कर. क्या चाहते हो कि बना लो अल्लाहकी अपने ठीपर

سُلْطَانًا مُّبِينًا ۝۱۳۱۴ إِنَّ الْمُنْفِقِينَ فِي الدَّرَكِ الْأَسْفَلِ مِنَ النَّارِ

भुली दुज्जत ? (१४४) बेशक मुनाफ़िक लोग सबसे नीचे तबकेमें हैं जडन्नभके.

وَلَنْ تَجِدَ لَهُمْ نَصِيرًا ۝۱۳۱۵ إِلَّا الَّذِينَ تَابُوا وَأَصْلَحُوا وَاعْتَمَرُوا

और न पाओगे कोई उनका मददगार (१४५) मगर जिन्होंने तौबा कर ली, और दुरुस्त हो गये, और मज़बूतीसे पकड लिया

بِاللَّهِ وَأَخْلَصُوا دِينَهُمْ لِلَّهِ فَأُولَٰئِكَ مَعَ الْمُؤْمِنِينَ ۖ

अल्लाहको, और भरा कर लिया अपने हीनको अल्लाहके विये, तो वोह मुसल्मानोंके साथ हैं.

وَسَوْفَ يُؤْتِي اللَّهُ الْمُؤْمِنِينَ أَجْرًا عَظِيمًا ۝۱۳۱۶ مَا يَفْعَلُ

और जल्द देगा अल्लाह मुसल्मानोंको बडा अज (१४६) क्या करेगा

اللَّهُ بِعَدَابِكُمْ إِنْ شَكَرْتُمْ وَأَمْنَتْمْ ۖ وَكَانَ اللَّهُ

अल्लाह तुम पर अजाब कर के ? अगर तुम शुक्रगुजार हो जाओ और ईमान ले आओ. और अल्लाह शुक्रका कबूल

شَاكِرًا عَلِيمًا ۝۱۳۱۷

इरमानेवाला ईलमवाला है (१४७)